महाकुंभ मेला 2025: विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन

चर्चा में क्यों?

पृथ्वी पर सबसे बड़े मानव समागम के रूप में मनाया जाने वाला [महाकुंभ मेला 2025](), **पौष पूर्णिमा** के अवसर पर शुभ '[शाही स्नान]()' के साथ शुरू हुआ।

- प्रत्येक **144 वर्ष** बाद एक **दुर्लभ खगोलीय संयोग के दौरान आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम** पर [गंगा](), [यमुना]() **और पौराणिक सरस्वती** के पवित्र संगम पर **1.5 करोड़ (15 मिलियन)** से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- **45 दिवसीय आध्यात्मिक उत्सव,** जो 26 **फरवरी को समाप्त होगा,** में कई महत्त्वपूर्ण स्नान अनुष्ठान शामिल होंगे, जिनमें शामिल हैं:
  - **मकर संक्रांति:** 14 जनवरी
  - **मौनी अमावस्या:** 29 जनवरी
  - **बसंत पंचमी:** 3 फरवरी
- इन आयोजनों का अत्यधिक धार्मिक महत्त्व है, तथा ये भारत और विश्व भर से भक्तों, संतों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं।
- **नमामि गंगे यज्ञ:**
  - त्योहार की पूर्व संध्या पर, नमामि गंगे टीम ने [गंगा नदी]() की पवित्रता और प्रवाह को बनाए रखने के लिये निरंतर प्रयास करने की शपथ लेने के लिये संगम पर एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया।
  - इस कार्यक्रम में **200 से अधिक गंगा सेवादूतों** और हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसमें **गंगा स्वच्छता अभियान में युवाओं के योगदान को विशेष रूप से मान्यता दी गई।**
- **सुरक्षा एवं संरक्षा उपाय:**
  - लाखों तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये **उत्तर प्रदेश पुलिस** और [राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF)]() की टीमों को महाकुंभ क्षेत्र में तैनात किया गया है।
  - संगम पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिये विशेष जल पुलिस इकाइयां तैनात की जाती हैं।
- **महाकुंभ मेला 2025:**
  - महाकुंभ मेला 2025, एक पवित्र तीर्थस्थल, प्रयागराज में **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा।**
    - यह **प्रति 12 वर्ष में** चार स्थानों अर्थात **प्रयागराज (UP), हरिद्वार (UK), नासिक (महाराष्ट्र)** और **उज्जैन (MP) के बीच घूमता हुआ आयोजित होता है।**
  - **कुंभ** शब्द का तात्पर्य एक बरतन या पात्र से है, जिसके संबंध में **हिंदू पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि उसमें अमरता का अमृत** भरा हुआ था।
  - उत्तर प्रदेश ने **प्रयागराज** में **महाकुंभ क्षेत्र को 4 महीने** अर्थात् **1 दिसंबर, 2024** से **31 मार्च, 2025 तक** के लिये **महाकुंभ मेला** नामक एक नए ज़िले के रूप में घोषित किया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF)

- **NDRF का परिचय:** NDRF भारत में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के लिये विशेष प्रतिक्रिया के उद्देश्य से गठित एक विशेष बल है।
- **गठन और उद्देश्य:** NDRF का गठन वर्ष 2006 में [आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005]() के तहत किया गया था। इसका प्राथमिक उद्देश्य प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं का त्वरित और प्रभावी ढंग से उत्तर देना है।
- **संरचना:** NDRF में सीमा सुरक्षा बल (BSF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) की बटालियनें शामिल हैं।
  - **प्रत्येक बटालियन को आपदा प्रतिक्रिया के लिये विशेष प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किये गये हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maha-kumbh-mela-2025-the-worlds-largest-religious-event